हमको भी मदीने की ज़ियारत लिख दे | By Zartaj Kesar

हमको भी मदीने की ज़ियारत लिख दे
हिस्से में मेरे अपनी मोहब्बत लिख दे
सजदा हो मेरा पंजतनी ऐ मेरे आक़ा
किस्मत में मेरी ऐसी इबादत लिख दे

मालिक ए दो जहाँ क्या करू मैं बयां
तुझको पाके है हमने तो सब पा लिया
ये तेरा आस्ता है ये मेरा जहाँ
अब लगता है ऐसा के रब पा लिया
मालिक ए दो जहाँ ....

हमने सोचा नहीं था यूँ होगा करम
एक ही पल में मिट गए दिल के सारे गम
अब ना कोई है डर ना कोई फिकर
सुकूं तेरे दर से जब पा लिया
मालिक ए दो जहाँ ....

कोई अपना नहीं गम के मारे हैं हम
आपके दर पे फरियाद लाये हैं हम
हो निगाहें करम वरना चौखट पे हम
अब लगता है ऐसा के रब पा लिया
मालिक ए दो जहाँ ....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%ae%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%ad%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%a4-%e0%a4%b2-2/